साम्प्रदायिकता-विरोधी-संगठन (Coalition Against Communalism)गांधीनगर, गुजरात के अक्षरधाम स्वामीनारायण मंदिर में भक्तों और दर्शकों पर हुए आतंकवादियों के हमले की घोर निन्दा करता है। हम इस हमले में मारे गये और घायल हुए भक्तों, दर्शकों और व्यवस्था-कर्मियों के परिवारों के प्रति गहन शोक और संवेदना प्रकट करते हैं और कानून-व्यवस्था-अधिकारियों द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हैं, जिससे स्थिति शीघ्र नियंत्रण में आ सकी।

जैसा कि भारत के राष्ट्रपति ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने कहा है, साम्प्रदायिक हिंसा के पक्षधर भारत के धर्म-निरपेक्ष ढाँचे को पूर्णतः नष्ट करना चाहते हैं। आतंकवाद किसी भी दशा में न्यायोचित नहीं हो सकता। यह समय है गँवाई जानों और पवित्रधाम की पावनता को भंग करने से हुई हानि के सामूहिक शोक में एकजुट होने का। डा. कलाम के शब्दों में, "हमें एकजुट होकर अपने महान देश पर सभी बुरी नज़र रखने वालों को पराजित करना है। हमारा देश अपनी राष्ट्रीय सभ्यतापरक धरोहर में जीवित है, द्युतिमान है।" यह बात गुजरात पर विशेष रूप से लागू होती है, जहाँ विगत दो वर्षों में प्राकृतिक और मानवकृत आपदाओं ने समाज के विभिन्न वर्गों को तहस-नहस कर डाला है। हमें आतंकवादियों के इच्छित उद्देश्यों को फलीभूत नहीं होने देना है।

हम राज्य और केन्द्र सरकारों से शान्ति-व्यवस्था की और सब नागरिकों के प्राणों की रक्षा में अपने कर्त्तव्य-पालन की माँग करते हैं। साम्प्रदायिक हत्याओं की पुनरावृत्ति न केवल अक्षरधाम की घटना के शिकार व्यक्तियों का अपमान होगा, वरन वह मंदिर पर आक्रमण करने वाले हत्यारों के उद्देश्यों की पूर्ति करने से भारत के प्रति विश्वासघात भी होगा। हम राज्य और केन्द्र की सरकारों से यह माँग भी करते हैं कि वे इस आतंकवादी कुकृत्य के लिये उत्तरदायी व्यक्तियों और इस षड़यंत्र में शामिल उनके सहभागियों पर शीघ्र और निष्पक्ष मुकदमा चलाने के प्रति निष्ठ हो, ताकि प्रशासन की वैधानिक व्यवस्था में पुनः विश्वास कायम हो सके।

गुजरात के नागरिकों का भी कर्त्तव्य है कि वह शान्ति, अपनी धरोहर और भविष्य की रक्षा के हित में काम करें। गुजरात एक बार पुनः घृणा के वहशीपन में नहीं डूब सकता।